कक्षा – बी.ए. सेमेस्टर – 111 **परीक्षा – 2021-2022**

विषय – संस्कृत **प्रश्न-पत्र – BSA –C311**

विवरण – संस्कृत नाटक

Sanskrit Drama

समय 03 घण्टे **पूर्णाङ्क – 70**

खण्ड- अ (Section-A)

लघूत्तरीय प्रश्न (Short Answer)

नोट- निम्नांकित प्रश्नों में से पाँच का उत्तर दीजिए। **5 X 6 = 30**

सूचना- प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नों में किसी एक का उत्तर देना अनिवार्य है।

प्रश्न -1 निम्नांकित श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद कीजिए-

(क) अर्थो हि कन्या परकीय एव ताम् अद्य सम्प्रेष्य परिग्रहीतुः।

जातो ममायं विशदः प्रकामं प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा ॥

(ख) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीनाम्, आविष्कृतारुणपुरःसर एकतोऽर्कः।

तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्याम्,लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु ॥

प्रश्न -2 निम्नांकित श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद कीजिए-

(क) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया, कण्ठः स्तम्भितबाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।

वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः, पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः॥

(ख) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या, नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।

आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः, सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम् ॥

प्रश्न -3 अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के आधार पर महाकवि कालिदास की काव्यकला को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न -4 निम्नांकित विषयों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए-

(क) नायिका **(ख)** नान्दी

प्रश्न -5 निम्नांकित श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद कीजिए-

(क) आरब्धे पटहे स्थिते गुरुजने भद्रासने लङ्घिते स्कन्धोच्चारणनम्यमानवदनप्रच्योतितोये घटे।

राज्ञाहूय विसर्जिते मयि जनो धैर्येण मे विस्मितः स्वः पुत्रः कुरुते पितुर्यदि वचः कस्तत्र भोः विस्मयः॥

(ख) अनुचरति शशाङ्कं राहुदोषेऽपि तारा पतति च वनवृक्षे याति भूमिं लता च।

त्यजति न च करेणुः पङ्कलग्नं गजेन्द्रं व्रजतु चरतु धर्मं भर्तृनाथा हि नार्यः।

प्रश्न -6 निम्नांकित सूक्तियों का सप्रसंग भावार्थ स्पष्ट कीजिए-

(क) शरीरेऽरिः प्रहरति हृदये स्वजनस्तथा।

(ख) हस्तस्पर्शो हि मातृणामजलस्य जलाञ्जलिः।

प्रश्न- 7 निम्नांकित विषयों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए-

(क) प्रवेशक **(ख)** भरतवाक्य

प्रश्न- 8 शूद्रक की नाट्यकला सम्बन्धी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न- 9 विशाखदत्त की नाट्यकला को सोदाहरण समझाइये।

प्रश्न- 10 '**उपमा कालिदासस्य**' को सोदाहरण समझाइये।

खण्ड-ब(Section-B)

दीर्घोरीय प्रश्न (LongAnswer)

नोट- किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये- **4X 10 = 40**

प्रश्न -1 निम्नांकित श्लोकों का संस्कृत भाषा में सप्रसंग अनुवाद कीजिए-

(क) शुश्रूषस्व गुरून्कुरु प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने
भर्तुर्विप्रकृता अपि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः ।
भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः ।।

(ख) अस्मान्साधु विचिन्त्य संयमधनानुच्चैः कुलं चात्मनस्
त्वय्यस्याः कथम् अप्यबान्धवकृतां स्नेहप्रवृत्तिं च ताम् ।
सामान्यप्रतिपत्तिपूर्वकमियम् दारेषु दृश्या त्वया
भाग्यायत्तमतः परं न खलु तद्वाच्यं वधूबन्धुभिः ।।

प्रश्न -2 अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के चतुर्थ अंक के आधार पर महाकवि कालिदास के काव्य-सौन्दर्य को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न -3 निम्नांकित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

(क) यदि न सहसे राज्ञो मोहं धनुः स्पृश मा दयां
स्वजननिभृतः सर्वोऽप्येवं मृदुः परिभूयते
अथ न रुचितं मुञ्च त्वं मा मामहं कृतनिश्चयो।
युवतिरहितं शोकं कर्तुं यतश्छलिता वयम् ।।

(ख) द्रुमा धावन्तीव द्रुतरथगतिक्षीणविषया, नदीवोद्वृत्ताम्बुर्निपतति मही नेमिविवरे ।
अरव्यक्तिर्नष्टा स्थितमिव जवाच्चक्रवलयं, रजश्चाश्वोद्धूतं पतति पुरतो नानुपतति।।

प्रश्न -4 प्रतिमा नाटक के आधार भास की नाट्यकला को सोदाहरण समझाइये।

प्रश्न -5 निम्नांकित विषयों पर में टिप्पणी लिखिये –

(क) नायक-लक्षण और भेद **(ख)** सूत्रधार

प्रश्न -6 नाटक के उद्भव और विकास पर निबन्ध लिखिए।

प्रश्न -7 महाकवि भवभूति के व्यक्तित्व और कृतित्व को लिखिए।

प्रश्न -8 अधोलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिये –

(क) प्रस्तावना **(ख)** नाटक में विदूषक की उपादेयता